

तीन बार भोजन भजन इक बार

तीन बार भोजन भजन इक बार,
उस में भी आते हैं संकट हजार,

मन ने कहा चलो मंदिर हो आये,
मंदिर हो आये चलो दर्शन कर आये,
देर से गई तो बंद हो गए किवाड़,
उस में भी आते हैं संकट हजार,

मन ने कहा चलो तीर्थ कर आये,
तीर्थ कर आये चलो गंगा नहा आये,
जाने लगी तो पल्ले पैसे ना चार ,
मांगने गई तो कोई दे न उधार,
उस में भी आते हैं संकट हजार,

मन ने कहा चलो सत्संग सुन आये,
सत्संग सुन आये चलो कथा सुन आये,
जाने लगी तो घर आये मेहमान,
उस में भी आते हैं संकट हजार,

मन ने कहा चलो माला जपे आये,
माला जपे आये जरा माला जपे आये,
जपने बेठी तो नींद आये बार बार,
उस में भी आते हैं संकट हजार,

मन ने कहा चलो कीर्तन कर आये,
कीर्तन कर आये चलो कीर्तन कर आये,
जाने लगी तो मुझे चढ़ गया बुखार,
उस में भी आते हैं संकट हजार,

मन ने कहा अपने मन की न मानो,
फिर मैंने सोचा मैंने अपने मन की न मानो,
मानो तो मानो अपने गुरु जी की मानो,
फिर नहीं आयेगे संकट हजार,
हो जाओ गे फिर तुम भव से भी पार,
उस में भी आते हैं संकट हजार,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13823/title/teen-baar-bhojan-bhajan-ek-baar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |

